संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

कक्षा	बी.ए. प्रथम वर्ष	
सत्र	2020–2021	
विषय	हिंदी साहित्य	
प्रश्न–पत्र	प्रथम	
प्रश्न–पत्र का शीर्षक	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	
अनिवार्य / वैकल्पिक	वैकल्पिक	
अधिकतम अंक	सैध्दांतिक मूल्यांकन	आंतरिक मूल्यांकन
50	40	10

उद्देश्य (Objective) – मध्यकालीन हिंदी साहित्य के अध्ययन के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश का ज्ञान विद्यार्थियों को कराना जिससे वे भारतीय सांस्कृतिक धारा की प्रवाह परंपरा से परिचित हो सकें।

अधिगम (Course Out Come)

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी साहित्य अध्ययन के माध्यम से भारतीय जीवन मूल्यों और परम्पराओं का ज्ञान
2. सृजनात्मक क्षमता का विकास
3. मानवीय संवेदनाओं का बोध

पाठ्यक्रम विवरण

प्रथम इकाई	कबीर, सूरदास, तुलसीदास, जायसी एवं बिहारी (निर्धारित अंशों से व्याख्या)
द्वितीय इकाई	भक्तिकाल एवं रीतिकाल की पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, धाराएँ एवं विशेषताएँ
तृतीय इकाई	कबीर, सूर और तुलसी पर समीक्षात्मक प्रश्न
चतुर्थ इकाई	जायसी और बिहारी पर समीक्षात्मक प्रश्न
पंचम इकाई	द्रुत पाठ के कवि– अमीर खुसरो, विद्यापति, मीरा, केशव, भूषण, पद्माकर और घनानंद (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)
नोट–	द्रुत पाठ के कवियों पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

पाठ्यांश –

1. कबीरदास – कबीर गंथावली, संपादक– डॉ. श्यामसुन्दर दास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, काशी (प्रारंभिक 50 साखियाँ)
2. सूरदास – भ्रमरगीत सार, संपादक– आचार्य रामचंद्र शुक्ल (प्रारंभिक 50 पद)
3. तुलसीदास – श्रीरामचरितमानस (सुंदर कांड), कवितावली (उत्तरकांड)
4. जायसी – पद्मावत, संपादक– डॉ. श्यामसुन्दर दास (नागमती वियोग खंड)
5. बिहारी – बिहारी रत्नाकर, संपादक– जगन्नाथ दास रत्नाकर (प्रारंभिक 50 दोहे)

द्रुत पाठ – अमीर खुसरो, विद्यापति, मीरा, केशव, भूषण, पद्माकर और घनानंद (व्यक्तित्व एवं कृतित्व) पाठ्य–पुस्तक – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य प्रकाशक – मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अंक विभाजनः–

नियमित–40

खण्ड–अ– 1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न) 1×5= 05 अंक

खण्ड–ब– लघुउत्तरीय प्रश्न (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न) 3×3=9 अंक

खण्ड–स– अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न) 8×2=16 अंक

ब– व्याख्या (पाँच–पाँच अंकों की कुल 2 व्याख्याएँ) 5×2=10 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – अंक विभाजन

तिमाही 5 अंक, छैमाही 5 अंक